भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

25.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 5463 का उत्तर

पंजाब के रेलवे स्टेशनों के लिए एबीएसएस

5463. श्री मलविंदर सिंह कंग:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत आनंदपुर साहिब, रूपनगर, नांगल बांध और नवांशहर स्टेशनों के लिए स्वीकृत उन्नयन कार्यों की वर्तमान स्थिति और भौतिक प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) 15 जनवरी, 2026 की स्थिति के अनुसार प्रत्येक स्टेशन के लिए स्वीकृत निधि और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त स्टेशनों पर, विशेषकर शहीदी जोड़ मेला जैसे धार्मिक आयोजनों के दौरान कनेक्टिविटी के संबंध में यात्री सुविधाओं के कार्यान्वयन में यदि कोई विलंब हुआ है, तो उसके लिए क्या विशिष्ट कारणों की पहचान की गई है; और

(घ) उक्त स्टेशनों पर यात्रियों से जुड़ी प्रमुख सुविधाओं को पूरा करने की माह-वार समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ) पंजाब में स्थित आनंदपुर साहिब, रूप नगर, नंगल डैम स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किया गया है।

पंजाब में स्थित आनंदपुर साहिब स्टेशन पर उच्च सतह वाले प्लेटफार्म, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पैदल पार पुल आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

आनंदपुर साहिब स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास कार्य पूरे हो चुके हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल है:

- **स्टेशन भवन का सुधार**
- **प्रवेश प्रांगण**
- **प्लेटफार्म शेल्टर**
- **प्लेटफार्म की सतह का सुधार**
- **वातानुकूलित प्रतीक्षालय और शौचालय**
- **प्रवेश/निकास द्वार**
- **नया बुकिंग काउंटर**
- **परिचलन क्षेत्र और पार्किंग**
- **शौचालय ब्लॉक**
- **संकेतक**
- **12 मीटर पैदल पार पुल**

पंजाब में स्थित रूप नगर स्टेशन पर उच्च सतह वाले प्लेटफार्म, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पैदल पार पुल आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

स्टेशन भवन का सुधार, प्रवेश प्रांगण, वातानुकूलित प्रतीक्षालय, शौचालय ब्लॉक, द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास द्वार और संकेतक का कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफार्म शेल्टर, लिफ्ट और 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।

पंजाब में स्थित नंगल डैम स्टेशन पर उच्च स्तरीय प्लेटफार्म, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पैदल पार पुल आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

स्टेशन भवन का सुधार, प्रवेश प्रांगण, प्लेटफार्म की सतह का सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय ब्लॉक, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास द्वार और संकेतक का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट और 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।

पंजाब में स्थित नवां शहर दोआबा जंक्शन स्टेशन पर उच्च सतह वाले प्लेटफार्म, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पैदल पार पुल आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उच्च स्तरीय प्लेटफार्म का कार्य हाल ही के वर्षों में पूरा किया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक निरंतर चलने वाली सतत प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्य परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। किसी स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की श्रेणी/स्थिति/संभाले गए यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक आधार पर स्टेहशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है।

इस योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणों में कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों तरफ के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन इमारत में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स की व्यवस्था
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों का एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान; गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की परिकल्पना भी की गई है।

अभी तक, इस योजना के अंतर्गत विकसित करने हेतु 1338 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से आनंदपुर सहिब, नंगल डैम और रूप नगर स्टेशनों सहित 30 स्टेशन पंजाब राज्य

में स्थित हैं। पंजाब राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित करने हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पंजाब	30	अबोहर, अमृतसर, आनंदपुर साहिब, ब्यास, बठिंडा जंक्शन, ढंडारी कलां, धुरी, फाजिल्का, फिरोजपुर कैंट, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर कैंट जंक्शन, जालंधर सिटी जंक्शन, कपूरथला, कोटकपुरा जंक्शन, लुधियाना जंक्शन, मालेरकोटला, मानसा, मोगा, मुक्तसर, नांगल डैम, पठानकोट कैंट, पठानकोट जंक्शन, पटियाला, फगवाड़ा जंक्शन, फिल्लौर जंक्शन, रूप नगर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, संगरूर, सरहिंद

<u>स्टेशन जिनके कार्य पूरे हो गए हैं:</u>

पंजाब राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं। पंजाब में वे स्टेशन जिनके कार्य पूरे हो गए हैं, निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पंजाब	3	आनंदपुर साहिब, मुक्तसर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली

अन्य स्टेशनों पर विकास कार्यों की गतिविधियां अच्छी गति में शुरू किए गए है और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार हैः-

- **सरहिंद स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार, प्रवेश प्रांगण, शौचालय सुविधा के साथ वातानुकूलित प्रतीक्षालय, द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय में सुधार, शौचालय ब्लॉक, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास गेट, प्रकाश और संकेतक का कार्य पूरा कर लिया गया है। लिफ्ट का कार्य और 12 मी. पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।**

- **गुरदासपुर स्टेशनः स्टेशन भवन, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, प्रांगण और प्रकाश व्यवस्था का कार्य पूरा कर लिया गया है। नए प्लेटफार्म नं. 2, बुकिंग एवं प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, मुख्य प्रवेश और दूसरी ओर प्रवेश/निकास गेट और 12 मी. पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।**

- **पटियाला स्टेशनः स्टेशन भवन, प्रवेश प्रांगण, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, विश्रामालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास गेट और संसूचक सुधार कार्य पूरा किया गया है। प्लेटफार्म की सतह, दूसरे प्रवेश द्वार का विकास, लिफ्ट और 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।**

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए फायर क्लीयरेंस, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य को पूरा करने के समय को प्रभावित करते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। पंजाब दो रेल क्षेत्रों, अर्थात् उत्तर रेलवे और उत्तर पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। वित्त वर्ष 2025-26 में इन क्षेत्रों के लिए 2,390 करोड़ रुपये आवंटित (संशोधित अनुमान) किए गए हैं जिनमें से अब तक 2,379 करोड़ रुपये का व्यय (फरवरी 2026 तक) उपगत किया गया है।

रेलगाड़ी संपर्कता

इसके अलावा, सामान्य और अवातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों की संरचना के संबंध में मौजूदा नीति के अनुसार, 22 सवारी डिब्बों की एक गाड़ी में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी और शयनयान श्रेणी के अवातानुकूलित सवारी डिब्बे और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बे मुहैया कराए जाते हैं, फलस्वरूप सामान्य और अवातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों को अधिक स्थान उपलब्ध कराया जा रहा है।

सामान्य सवारी डिब्बे

अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, रेलवे ने साधारण श्रेणी के यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए सुविधाओं में काफी बढ़ोतरी की है। केवल पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ही, लंबी दूरी की विभिन्न गाड़ियों में 1250 साधारण सवारी डिब्बों का उपयोग किया गया। चालू वित्त वर्ष (फरवरी, 2026 तक) में, 860 सवारी डिब्बों का स्थायी संवर्धन हेतु उपयोग किया गया है।

भारतीय रेल में मांग पैटर्न पूरे वर्ष एक समान नहीं रहता और यह कम व्यस्त तथा भीड़भाड़ की अवधियों में भिन्न होता है। भीड़भाड़ की अवधि के दौरान, विशेषकर लोकप्रिय मार्गों पर, गाड़ियों की अधिभोगिता पूरी रहती है, जबकि कम व्यस्त अवधि और कम लोकप्रिय मार्गों पर अधिभोगिता इष्टतम से कम रहती है।

भारतीय रेल में चल रही रेलगाड़ियों के यातायात पैटर्न की निरंतर निगरानी की जाती है। और अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए परिचालनिक व्यवहार्यता के अध्यधीन मौजूदा रेलगाड़ियों में डिब्बे बढ़ाए जाते हैं, स्पेशल गाड़ियां परिचालित की जाती हैं, नई रेलगाड़ियां शुरू की जाती हैं, मौजूदा रेलगाड़ियों के फेरे आदि बढ़ाए जाते हैं।

कम और मध्यम आय वर्ग वाले परिवारों की यात्रा संबंधी मांग को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल ने अगले 5 वर्षों में 17,000 अवातानुकूलित सवारी डिब्बों (साधारण/शयनयान) का विनिर्माण शुरू कर दिया है।

भारतीय रेल में, अवातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रतिशत लगभग 70% है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:

तालिका 1: सवारी डिब्बों का वितरण:

अवातानुकूलित सवारी डिब्बे (सामान्य/शयनयान)	**~62,000**	**~70%**
वातानुकूलित सवारी डिब्बे	**~27,000**	**~30%**
कुल सवारी डिब्बे	**~89,000**	**100%**

सामान्य सवारी डिब्बों की अधिक उपलब्धता के कारण, सामान्य/अनारक्षित सवारीडिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि का रुझान देखा गया है, जैसा निम्नानुसार दर्शाया गया है:

तालिका 2: सामान्य/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रियों की संख्या: अवातानुकूलित सवारी डिब्बों के यात्रियों के लिए उपलब्ध सीटों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान संरचना निम्नानुसार है:

वर्ष	यात्रियों की संख्या
2020-21	99 करोड़ (कोविड वर्ष)
2021-22	275 करोड़ (कोविड वर्ष)
2022-23	553 करोड़
2023-24	609 करोड़
2024-25	651 करोड़

अवातानुकूलित सवारी डिब्बों के यात्रियों के लिए उपलब्ध सीटों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान संरचना निम्नानुसार है:

तालिका 3: सीटों का वितरण:

अवातानुकूलित सीटें	~ 54 लाख	~ 78%
वातानुकूलित सीटें	~ 15 लाख	~ 22%
कुल	~ 69 लाख	100%

स्पेशल गाड़ियां:

भारतीय रेल त्योहारों, छुट्टियों आदि के दौरान अतिरिक्त यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने और नियमित सेवाओं द्वारा उपलब्ध स्थान के अतिरिक्त स्थान उपलब्ध कराने के लिए स्पेशल गाड़ी सेवाएं भी परिचालित करता है।

तदनुसार, भारतीय रेल नेटवर्क में स्पेशल गाड़ियों की संख्या गर्मियों/सर्दियों की छुट्टियों, त्यौहारों, आदि के दौरान यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए परिचालित की गई है जो निम्नानुसार है:

वर्ष	फेरों की संख्या
2023-24	~40,500
2024-25	~85,400
2025-26(फरवरी, 2026 तक)	~74,800

****